Part-II / भाग-II

51. 'माटी की मूरतें' के विषय में असंगत कथन है –

(1) यह (1946 ई.) में प्रकाशित हुआ, जिसके लेखक रामवृक्ष बेनीपुरी हैं ।

(2) 'बैजूमामा' के लिए उन्होंने लिखा है, जेल में रहने के कारण बैजूमामा भी इसी पाँत में आ बैठे और अपनी मूरत मुझसे गढ़वा ही ली ।

(3) इस संकलन में उनके 13 आत्मीय चरित्रों के रेखाचित्र संकलित हैं ।

(4) इन मूरतों के लिए लेखक ने कहा है कि ये ज़िन्दगी के नज़दीक नहीं, ज़िंदगी में समाई हुई हैं ।

52. 'उसने कहा था' कहानी के संदर्भ में अधोलिखित कथन किस आलोचक का है ?

"पाँच खण्डों में बँटी यह कहानी 'एक कथा नाट्य' है । इसका प्रत्येक शब्द ध्यान से पढ़ने योग्य है । यदि कहानी का अंत युद्ध के बाद ही हो गया होता तो कहानी एक प्रेम कहानी बनकर रह जाती और इसमें एक उदात्त पारिवारिक मूल्य, जो आज के युग में विरल होता जा रहा है, न जुड़ पाता ।"

(1) डॉ. इन्द्रनाथ मदान (2) डॉ. नामवर सिंह (3) डॉ. नगेन्द्र (4) डॉ. बच्चन सिंह

53. असंगत कथन चुनिए ।

(1) नाथ पंत सिद्ध-संप्रदाय की भाँति निरीश्वरवादी नहीं है, नाथों ने सिद्धों के शून्य (नैरात्म्य) की नयी व्याख्या अलख निरंजन परमात्मा या शिव के रूप में की ।

(2) डॉ. ईश्वरीप्रसाद खुसरो के संबंध में लिखते हैं – "खुसरो केवल कवि ही नहीं था, वह योद्धा भी था और साथ ही क्रियाशील मनुष्य भी ।"

(3) सिद्ध निवृत्तिमार्गी, नाथ प्रवृत्तिमार्गी; जबकि जैन संप्रदाय प्रवृत्ति एवं निवृत्ति दोनों से पूर्ण था ।

(4) कबीर ने लिखा – "सिध चउरासीह माइआ महि खेला" और "नावै नाथ सूरज अरु चंदा ।"

54. निम्नलिखित कथनों में से समीचीन कथन नहीं है :

(1) न कान्तमपि निर्भूषं विभाति वनितामुखम् – भामह

(2) भूलि कहत नवरस सुकवि सकल मूल सिंगार – देव

(3) शब्दार्थयोरस्थिराः ये धर्माः शोभातिशायिनः रसादीनुपकुर्वन्तोऽलंकारास्तेऽङ्गदादिवत् – मम्मट

(4) आ. विश्वनाथ ने नौ रसों के अतिरिक्त वत्सल रस (वात्सल्य) को स्पष्ट शब्दों में स्वीकार किया और रस संख्या दस मानी ।

55. विविध काव्य धाराओं की प्रवृत्तियों की दृष्टि से संगत है :

(1) प्रगतिवाद सामूहिकता और सर्वहारा की विजय को लेकर चला जबकि प्रयोगवाद व्यक्ति स्वातंत्र्य, स्वानुभूति से विमुख होकर ।

(2) सन् 1956 में नकेन के प्रपद्यवाद का प्रकाशन हुआ, जिन्होंने दावा किया कि असली प्रयोगवादी हमसे पूर्व हुए हैं, जो कि रूपवाद एवं कलावाद से सम्बद्ध थे ।

(3) अज्ञेय का प्रयोगवाद संवेदना का धरातल नहीं छोड़ता जबकि शमशेर का प्रयोगवाद संवेदना के धरातल के आस-पास से गुजर जाता है ।

(4) छायावाद द्विवेदी युगीन इतिवृत्तात्मकता की प्रतिक्रिया है जबकि प्रगतिवाद के विचारधारात्मक दबावों और आतंकवादी प्रभावों ने प्रयोगवाद का मार्ग प्रशस्त किया है ।

56. निम्नलिखित को सही मिलान करके उत्तर अंकित करें

1. शौरसेनी प्राकृत	a. पश्चिमी हिन्दी बोलियों का विकास।
2. अर्धमागधी प्राकृत	b. दण्डी ने प्रकृष्ट प्राकृत कहा है।
3. पैशाची प्राकृत	c. पश्चिमोत्तरी पंजाब व अफगानिस्तान में।
4. माहाराष्ट्री प्राकृत	d. पूर्वी हिन्दी का विकास इसी से हुआ।

(1) 1-a, 2-b, 3-c, 4-d (2) 1-a, 2-d, 3-c, 4-b (3) 1-d, 2-c, 3-b, 4-a (4) 1-b, 2-c, 3-a, 4-d

57. कृष्ण भक्ति विषयक गलत स्थापना है :

(1) सूरदास की साहित्यलहरी नायिका भेद एवं कूटपदीय रचना है।

(2) नंददास की 'रास पंचाध्यायी' रचना रोला छन्द में लिखी गयी है।

(3) 1580 ई. के आस-पास सूरदास जी बल्लभाचार्य के शिष्य हुए।

(4) अष्टछाप में कुम्भनदास एवं चतुर्भुजदास पिता-पुत्र की जोड़ी है एवं गोविन्द स्वामी का सम्बन्ध राजस्थान से है।

58. आचार्य शुक्ल की साहित्यिक स्थापनाओं के संदर्भ में अनुचित विकल्प चुनिए।

(1) सिद्धों और योगियों की रचनाएँ साहित्य कोटि में नहीं आती हैं; परन्तु योग-धारा काव्य या साहित्य की धारा मानी जा सकती हैं।

(2) गोरखनाथ के नाथपंथ का मूल भी यही वज्रयान शाखा है।

(3) प्राकृत की अंतिम अपभ्रंश अवस्था से ही हिंदी साहित्य का आविर्भाव माना जा सकता है।

(4) कवियों के परिचयात्मक विवरण मैंने प्रायः 'मिश्रबंधु विनोद' से ही लिए हैं।

59. चंपा और बुद्धगुप्त निम्न में से किस कहानी के नायिका और नायक हैं ?

(1) अपना-अपना भाग्य (2) सिक्का बदल गया (3) कोसी का घटवार (4) आकाशदीप

60. "द्विवेदी युग हिन्दी भाषा के परिष्कार व नवीन प्रवृत्तियों को समावेश करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका रखता है।" इस प्रश्न के आलोक में निम्न कथनों पर विचार कीजिए :

(i) 'सरस्वती' पत्रिका के संपादक के रूप में द्विवेदी जी ने गद्य के परिष्कार व परिमार्जन का कार्य प्रारम्भ किया।

(ii) 1903 ई. से 1920 ई. तक 17 वर्षों तक तो महावीरप्रसाद द्विवेदी ही इसके सम्पादक रहे।

(iii) कथा-साहित्य के क्षेत्र में मार्क्स के समाजवाद तथा फ्रायड के मनोविश्लेषण का विशेष प्रभाव इस काल में दिखाई देता है।

(iv) प्रेमचंद, प्रसाद, बालमुकुन्द गुप्त, पद्मसिंह शर्मा व श्यामसुंदर दास के नाम उल्लेखनीय हैं।

उपरोक्त में से सही कथन हैं :

विकल्प :

(1) केवल (i), (ii), (iv) (2) केवल (ii), (iii), (iv) (3) केवल (i), (iii), (iv) (4) केवल (i), (ii), (iii)

61. "बाबाजी, टके सेर। निनुआ, मुरई, धनिया, मिरचा, साग सब टके सेर।"

यह संवाद निम्न में से किसका है ?

(1) गोबरधन (2) बनिया (3) कुंजड़िन (4) हलवाई

62. "खाक निबट लोगे! नौकरी छोड़कर बैठ जाओगे। क्या तुम्हीं अकेले ने दुनिया को सुधारने का ठेका ले रखा है ?"

'एक और द्रोणाचार्य' में यह संवाद निम्न में से किसका है ?

(1) लीला (2) यदू (3) प्रिंसिपल (4) अरविंद

63. 'तमस' उपन्यास के विषय में असंगत कथन का चयन कीजिए –

(i) यह उपन्यास सांप्रदायिकता की समस्या पर आधारित है।

(ii) भीष्म साहनी ने आज़ादी के पश्चात् हुए सांप्रदायिक दंगों को आधार बनाकर इस समस्या का सूक्ष्म विश्लेषण किया है।

(iii) नत्थू इस उपन्यास का प्रमुख पात्र है तथा मेहताजी, करीमखान, बख्शी जी अन्य पात्र हैं।

(iv) यह व्यक्तिगत जीवन के ताने-बानों को बुनता उपन्यास है।

विकल्प :

(1) (ii), (iv) (2) (ii), (iii), (iv) (3) (i), (ii), (iii) (4) (i), (iv)

64. प्रेमचन्द के अनुसार उनकी पहली कहानी 'दुनिया का अनमोल रतन' सन् 1907 में प्रकाशित हुई, जिसकी विषयवस्तु का आधार है -

(1) सामाजिक आदर्श के आलोक में समस्या-समाधान का चित्रण।

(2) अलिफ लैला की कहानियों के समान पुराने सांचे में ढली नैतिकता।

(3) अंग्रेजी अधिकारी के क्रोध की प्रतिक्रिया का चित्रण।

(4) पारिवारिक आदर्शों का काल्पनिक चित्रण।

65. निम्नांकित पात्रों को उनकी रचनाओं से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (पात्र)	सूची-II (उपन्यास)
(अ) लाला ब्रजकिशोर, मुंशी चुन्नीलाल, लाला मदनमोहन	(i) देवरानी जेठानी की कहानी
(ब) सर्वसुख, आनंदी, ज्ञानो, पार्वती	(ii) परीक्षागुरु
(स) ज्ञानो, काली, डॉ. बिशनदास	(iii) मानस का हंस
(द) बतासो, हुलसिया, मैना कहारिन	(iv) धरती धन न अपना

विकल्प:

(1) (अ)-(ii), (ब)-(i), (स)-(iv), (द)-(iii)

(2) (अ)-(i), (ब)-(iii), (स)-(iv), (द)-(ii)

(3) (अ)-(i), (ब)-(ii), (स)-(iv), (द)-(iii)

(4) (अ)-(ii), (ब)-(i), (स)-(iii), (द)-(iv)

66. वह शक्ति है, जो चेतना को खण्ड-खण्ड करके विषय और विषयी को अलग-अलग मानकर चलती है, और पुनः सर्जन करती है –

(1) प्राथमिक कल्पना (Primary Imagination)

(2) बिम्ब (Image)

(3) विशिष्ट कल्पना (Secondary Imagination)

(4) ललित कल्पना (Fancy)

67. रामचरितमानस के उत्तरकांड में गरुड़ जी के सात प्रश्न और काकभुशुण्डि द्वारा दिए गए उत्तर के संबंध में असंगत विकल्प है –

(1) गरुड़ – सबसे बड़ा सुख कौन सा है ?
काकभुशुण्डि – संतों के मिलन के समान जगत् में सुख नहीं है।

(2) गरुड़ – सबसे बड़ा दुःख कौन सा है ?
काकभुशुण्डि – जगत् में दरिद्रता के समान दुःख नहीं है।

(3) गरुड़ – सबसे दुर्लभ कौन सा शरीर है ?
काकभुशुण्डि – देव शरीर के समान कोई शरीर नहीं है।

(4) गरुड़ – संतों का सहज स्वभाव बताइए।
काकभुशुण्डि – मन, वचन और शरीर से परोपकार करना, यह संतों का सहज स्वभाव है।

68. 'भारत दुर्दशा' में व्यक्त विचार शैली के बारे में सही कथन है –

(1) सारे हिन्दुस्तान के इतिहास का विचार शैली में प्रयोग है।

(2) ब्रिटिश राज की राजनैतिक चालों के प्रतिकूल विचार शैली का प्रयोग है।

(3) इसमें मध्यमवर्ग, कलाविद् तथा पंडिताई के अनुकूल विचार शैली का प्रयोग है।

(4) ग्रामीण व नगरीय नर-नारियों के योग्य सरल शैली का प्रयोग है।

69. प्रेमचंद की औपन्यासिक सृष्टि के विषय में संगत कथन है –
(i) व्यावहारिक जीवन में प्रेमचंद ने गांधीजी के रचनात्मक कार्यों को पूर्णतः स्वीकार किया था । उनके उपन्यासों पर यह प्रभाव प्रत्यक्षतः परिलक्षित होता है ।
(ii) सेवासदन (1922 ई.) से लेकर गोदान (1936 ई.) तक उनके उपन्यासों में समाजोन्मुख व्यक्तिवाद का स्वर दिखाई देता है । उनके उपन्यासों ने हिन्दी भाषी जनता का मानसिक संस्कार किया है ।
(iii) 'गोदान' उनकी परिपक्व जीवन दृष्टि का परिणाम है ।
(iv) प्रेमचंद मानवतावाद से प्रभावित थे । उनका मानना था कि, "आदिकाल से मनुष्य के लिए सबसे समीप मनुष्य है । हम जिसके सुख-दुःख, हँसने-रोने का मर्म समझ सकते हैं, उसी से हमारी आत्मा का मेल अधिक होता है ।

विकल्प :

(1) (i), (iv) (2) (i), (ii), (iii), (iv) (3) (ii), (iii), (iv) (4) (i), (iii), (iv)

70. "उज्ज्वल वरदान चेतना का, सौन्दर्य जिसे सब कहते हैं,
जिसमें अनंत अभिलाषा के, सपने सब जगते रहते हैं ।"
उक्त पद्यांश का संबंध प्रसादकृत कामायनी के जिस सर्ग से है, वह है –

(1) आशा सर्ग (2) लज्जा सर्ग (3) श्रद्धा सर्ग (4) इड़ा सर्ग

71. "'कैसी बातें करते हो ? ... 'घरेलू उद्योग की इस योजना से उनकी गरीबी पर ज़रूर मरहम लगाया जा सकता है, पर प्रियजनों के बिछुड़ने के दुःख पर नहीं ! आदमी का दुःख जिस दिन पैसे से दूर होने लगेगा–इन्सानियत उठ जाएगी दुनिया से !'"
यह संवाद किस नाटक का है ?

(1) सिंदूर की होली (2) अंजो दीदी (3) महाभोज (4) एक और द्रोणाचार्य

72. काव्य लक्षण के संबंध में असंगत कथन है –
(1) आचार्य रुद्रट भामह की ही परंपरा में काव्य को स्पष्ट करते हुए कहते हैं – 'ननु शब्दार्थौ काव्यम्' ।
(2) आचार्य मम्मट ने काव्य को प्रकारान्तर भाव से परिभाषित करते हुए कहा है – "काव्यं ग्राह्यम् अलंकारात् ।" वे दोष की चर्चा नहीं करते ।
(3) आचार्य भामह द्वारा निर्दिष्ट काव्य-लक्षण 'शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्' है ।
(4) आचार्य वामन के अनुसार, "काव्य गुणालंकार के ग्रहण तथा दोष के परित्याग से युक्त होता है ।"

73. निर्मल वर्मा के पहले कहानी संग्रह 'परिन्दे' (1960 ई.) को नयी कहानी की पहली कृति मानने वाले आलोचक हैं –

(1) डॉ. देवराज उपाध्याय (2) डॉ. रामविलास शर्मा (3) उपेन्द्रनाथ अश्क (4) डॉ. नामवर सिंह

74. क्रिया के संदर्भ में कौन सी स्थापना सटीक नहीं है ?
(1) धिक्कारना, स्वीकारना, आज़माना, चिकनाना इत्यादि संज्ञार्थक क्रियाएँ हैं ।
(2) धातु से सूचित होने वाले व्यापार का फल कर्ता से निकल कर जिस वस्तु पर पड़ता है, उसे 'कर्म' कहते हैं ।
(3) खुजलाना, ललचाना एवं घबराना क्रियाओं का प्रयोग सकर्मक एवं अकर्मक दोनों रूपों में किया जा सकता है ।
(4) विधिकाल के रूप को छोड़कर क्रिया के साधारण रूप का प्रयोग संज्ञा के समान होता है ।

75. छायावादी काव्य की प्रवृत्तियों के संबंध में असंगत कथन है ।
(1) छायावादी काव्य का एक प्रधान लक्षण है – स्वानुभूति की प्रत्यक्ष विवृत्ति जो व्यक्तिगत प्रणय से लेकर करुणा और आनन्द तक फैली हुई है ।
(2) छायावादी काव्य व्यक्तिनिष्ठ और कल्पना प्रधान है ।
(3) ईसाई संतों के छायाभास तथा यूरोपीय काव्य क्षेत्र में प्रवर्तित आध्यात्मिक प्रतीकवाद के अनुकरण पर रची जाने के कारण खड़ी बोली में ऐसी कविताएँ छायावाद कही जाने लगीं ।
(4) छायावादी काव्य सर्वात्मवाद, कर्मवाद, वेदांत, शैव दर्शन, अद्वैतवाद आदि प्राचीन सिद्धांतों को व्यक्त करता दिखाई देता है ।

76. "मैं मनुष्य शरत्चंद्र के दीर्घ जीवन की कामना नहीं करता । मैं साहित्यिक शरत्चंद्र के दीर्घ जीवन की कामना करता हूँ ।"
यह कथन निम्न में से किसका है ?

(1) नरेंद्र देव (2) हेमेन्द्रकुमार राय (3) काज़ी नजरुल इस्लाम (4) गिरिजाकुमार बसु

1014937

101493

77. अधोलिखित में से असंगत चुनिए -

(1) क्ष, त्र, ज्ञ वर्णों की गणना स्वतंत्र वर्णों में नहीं होती ।
(2) घोष वर्णों में केवल नाद का उपयोग होता है; जबकि अघोष में केवल श्वास का ।
(3) ऊष्म वर्ण अल्पप्राण हैं; जबकि अल्पप्राण में हकार जैसी ध्वनि विशेष रूप से रहती है ।
(4) ख, प, श एवं थ अघोष वर्ण हैं; जबकि सारे स्वरवर्ण एवं य, र, ल, व घोष वर्ण हैं ।

78. असंगत विकल्प चुनिए :

(1) अति = उस पार, ऊपर । अव = नीचे, हीन, अभाव
(2) घृतान्न, गुडंबा एवं पर्णशाला समस्तपदों में मध्यम पद लोपी तत्पुरुष समास है ।
(3) दस्तकारी एवं शराहत में संबंध तत्पुरुष है; जबकि बलिपशु एवं देशभक्ति में संप्रदान तत्पुरुष है ।
(4) किसी भी सामासिक शब्द में विभक्ति लगाने का प्रयोजन हो तो उसे समास के अंतिम शब्द में जोड़ते हैं ।

79. निबंधकार बालमुकुन्द गुप्त के विषय में संगत कथन हैं -

(i) हिन्दी गद्य शैली को व्यावहारिक, चुस्त, चुटीली, प्रखर और प्रवाहपूर्ण बनाने में आपकी भूमिका अप्रतिम है ।
(ii) लार्ड कर्जन के निरंकुश और जनविरोधी रवैये को आपने अपने निबंधों से चुनौती दी ।
(iii) यह चुनौती आपने 'शिवशंभु शर्मा' छद्म नाम से दी । इन चिट्ठों ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया ।
(iv) आचार्य शुक्ल ने आपके निबंधों को 'बातों का संग्रह' कहा है ।

(1) केवल (i), (ii), (iii) (2) केवल (ii), (iii), (iv) (3) केवल (iii), (iv) (4) केवल (i), (ii), (iv)

80. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के विषय में असंगत कथन हैं -

(i) राष्ट्रीय चेतना की अभिव्यक्ति पहले-पहल भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के गद्य में दिखाई देती है ।
(ii) 'निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल' इनके जीवन का बीज मंत्र था ।
(iii) 1880 ई. में 'कविता-वर्धिनी सभा' की नींव पड़ी, इसके माध्यम से इन्होंने नए कवियों को प्रोत्साहित किया ।
(iv) 1883 में उन्होंने 'तदीय समाज' की स्थापना की, जिसका उद्देश्य धर्म व ईश्वर संबंधी विचारों का प्रचार करना था ।

(1) केवल (i), (iii) (2) (i), (ii), (iii) (3) (ii), (iii), (iv) (4) केवल (iii), (iv)

81. "भारतीय नवजागरण के संदर्भ में मुद्रणयंत्र एवं समाचार-पत्रों की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है ।" उक्त प्रसंग में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

(i) अँगरेज़ों और मिशनरियों ने समाचार-पत्र निकाले, किंतु अपने देश के संदर्भ में पत्र निकालने की पहल राजा राममोहन राय ने की ।
(ii) 1832 ई. में उनके (राय) सहयोग से 'संवाद कौमुदी' नामक साप्ताहिक गुज़राती में प्रकाशित होना प्रारंभ हुआ ।
(iii) बंबई में गुजराती प्रेस के तत्त्वावधान में 1822 ई. में 'बॉम्बे समाचार' निकलना प्रारम्भ हुआ ।
(iv) हिन्दी का दैनिक पत्र 'समाचार सुधावर्षण' (1854 ई.) श्यामसुंदर सेन के संपादकत्व में कलकत्ता से निकला । कुप्रथाओं के विरोध में इन पत्रों का अच्छा उपयोग हुआ ।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) (i), (iii), (iv) (2) (i), (ii), (iii) (3) (i), (ii), (iii), (iv) (4) (i), (ii), (iv)

82. "उन्होंने ब्राह्म समाज और प्रार्थना समाज में देशभक्ति की कमी को पहचाना और वेदों को एकमात्र प्रमाण मानकर परमेश्वर के निराकार रूप का आख्यान किया ।" यह कथन निम्न में से किसके संबंध में है ?

(1) राजा राममोहन राय (2) महादेव गोविंद रानाडे (3) नारायण गुरु (4) दयानंद सरस्वती

83. जैनेन्द्र के उपन्यासों का प्रकाशन के आधार पर सही आरोही क्रम है -

(1) जयवर्धन, अनामस्वामी, मुक्तिबोध, त्यागपत्र (2) त्यागपत्र, जयवर्धन, मुक्तिबोध, अनामस्वामी
(3) अनामस्वामी, जयवर्धन, मुक्तिबोध, त्यागपत्र (4) त्यागपत्र, अनामस्वामी, जयवर्धन, मुक्तिबोध

84. निम्नलिखित में से संगत कथन है :

(1) निर्मल वर्मा की कहानियों में आधुनिक जीवन की ट्रेजडी यथार्थ ढंग से व्यक्त हुई है ।
(2) व्यक्तिवाद और व्यक्ति स्वातंत्र्य को लेकर 'सचेतन कहानी' और 'अकहानी' आन्दोलन प्रवर्तित नहीं हुए ।
(3) नई समीक्षा में यथार्थ की अनुभूति और अनुभूति की यथार्थता की चर्चा नहीं की गयी है ।
(4) नाटक की भाषा उसके कार्य-व्यापार से नियंत्रित नहीं होती है और नाटककार को मनमानी ढंग से भाषा का प्रयोग करने की छूट रहती है ।

85. "नेही महा, ब्रजभाषा प्रवीन और सुंदरतानि के भेद को जानै ।"
उक्त पंक्ति निम्न में से किसकी रचना है ?
(1) बिहारी (2) घनानंद (3) ब्रजनाथ (4) भिखारीदास

86. संसद् का प्रत्येक सदस्य संसद् की बैठकों के दौरान हिंदी और अँगरेज़ी में अपने विचार प्रस्तुत करेगा, यह किस अनुच्छेद में लिखित है ?
(1) अनुच्छेद 351 (भाग-17) (2) अनुच्छेद 130 (भाग-6) (3) अनुच्छेद 120 (भाग-5) (4) अनुच्छेद 343 (भाग-17)

87. "संभवत: दो खण्डों में विभक्त हिन्दी की पहली आत्मकथा है, जिसमें केवल दलित ही नहीं; अपितु गाँव का सम्पूर्ण लोकजीवन ही केन्द्र में है ।" कथन है -
(1) 'जमाने में हम' के संबंध में । (2) 'मुर्दहिया' के संबंध में । (3) 'बूँद बावड़ी' के संबंध में ।
(4) 'कस्तूरी कुण्डल बसै' के संबंध में ।

88. मुक्तिबोध की रचना-प्रक्रिया एवं कविताओं के संबंध में असंगत कथन है -
(1) 'ब्रह्म राक्षस' बुद्धिजीवी परन्तु अभिशप्त और बेचैन व्यक्ति का प्रतीक है जो संसार के लिए मांगलिक भविष्य खोजना चाहता है ।
(2) वे कविता का ऐसा कोई कोना नहीं छोड़ते, जिससे कविता अधिक व्यंजक और धारदार बनती है ।
(3) उनका 'चाँद का मुँह टेढ़ा है' संकलन विशुद्ध रोमांटिक सुख प्रदान करता है ।
(4) 'भूल गलती' कविता में जन संघर्ष को एक नयी शैली के रूप में प्रकट किया है ।

89. अधोलिखित वक्तव्यों में से असंगत चुनिए -
(1) पद्धरी 16 मात्राओं का मात्रिक छंद है । (2) 'साखी सबदी दोहरा कहि कहनी उपखान' - पंक्ति का संबंध तुलसीदास से है ।
(3) अपभ्रंश में अब्दुल रहमान नामक ग्यारहवीं शताब्दी के कवि का लिखा हुआ एक विरह व्यापक रासक-ग्रंथ मिला है ।
(4) पुष्पदंत ने चतुर्मुख को पद्धड़िया बंध का श्रेष्ठ कवि कहा है ।

90. गीतिनाट्य 'अंधायुग' के विभिन्न अंकों के शीर्षकों को पहले से बाद के क्रम में लगाइए -
(i) पशु का उदय
(ii) अश्वत्थामा का अर्द्धसत्य
(iii) पंख, पहिए और पट्टियाँ
(iv) कौरव नगरी
(v) विजय : एक क्रमिक आत्महत्या
(1) (i), (iv), (iii), (v), (ii) (2) (iv), (i), (ii), (iii), (v) (3) (ii), (iii), (i), (iv), (v) (4) (i), (ii), (iv), (iii), (v)

91. 'उठ जाग मुसाफिर' निबन्ध में विवेकी राय ने 'जवानी और बुढ़ापा' काव्यपंक्तियों को मास्टर साहब के पक्ष में गवाही देते हुए बताया है, जिसके रचनाकार हैं -
(1) अज्ञेय (2) शरत्चन्द्र चट्टोपाध्याय (3) रामधारी सिंह दिनकर (4) जगदीश बाबू

92. अस्तित्ववाद का प्रवर्तक कीर्कगार्ड को माना गया है, तथा निम्नांकित में से अस्तित्ववादी दार्शनिक नहीं है :
(1) ज्याँ पाल सार्त्र (1905 - 1980) (2) मार्टिन हाइडेगर (1889 - 1978) (3) कार्ल यास्पर्स (1883 - 1974)
(4) एडलर (1870 - 1937)

93. 'भारत वर्षोन्नति कैसे हो सकती है ?' शीर्षक निबंध के विषय में असंगत कथन का चयन कीजिए -
(i) यह निबंध, बलिया के ददरी मेले में दिया गया श्रावण है, जो आज भी प्रासंगिक है ।
(ii) इसमें स्त्री-शिक्षा और विधवा विवाह का समर्थन और बाल-विवाह का विरोध किया गया है ।
(iii) जाति-भेद को व्यर्थ व हिन्दू-मुस्लिम एकता का समर्थन किया है ।
(iv) भारतीय जनता व अधिकारियों की अँगरेज़ों के प्रति चाटुकारिता और अपनी स्वतंत्रता खोकर भी झूठी शान में खुश होने की प्रवृत्ति पर व्यंग्य किया है ।
विकल्प :
(1) केवल (i) व (iv) (2) केवल (iv) (3) केवल (i), (ii), (iii) (4) केवल (i) व (ii)

94. "देश की वर्तमान दशा के वर्णन में यदि हम केवल इस प्रकार के वाक्य कहते जाएँ कि हम मूर्ख, बलहीन और आलसी हो गए हैं, हमारा धन विदेश चला जाता है, रुपये का डेढ़ पाव घी बिकता है, स्त्री-शिक्षा का अभाव है तो ये छंदोबद्ध होकर भी काव्य पद के अधिकारी न होंगे।"
उक्त अंश किस निबंध का हिस्सा है ?
(1) संस्कृति और सौंदर्य (2) शिवमूर्ति (3) दिल्ली दरबार दर्पण (4) कविता क्या है

95. 'नाखून क्यों बढ़ते हैं' निबन्ध की प्रतीकात्मकता निम्नांकित में से सही प्रतिनिधित्व करती है :
(1) प्रकृति और विज्ञान से। (2) संस्कृति और आदिम प्रवृत्ति से। (3) समाज और राजनीति से।
(4) शरीर और संस्कार से।

96. "क्रोध मेरी खुराक है, लोभ मेरा नयन-अंजन और काम-भुजंग मेरा क्रीड़ा-सहचर है।"
'उत्तरा फाल्गुनी के आसपास' में लेखक ने इन तीनों को क्रमशः क्या कहा है ?
(1) संन्यास, वैराग्य और जीवन (2) कैशोर्य, यौवन और जरा (3) बचपन, यौवन और जरा
(4) विद्रोह, प्रगति और नवलेखन

97. "राजनीति में कुछ भी असंभव नहीं है। जितना संभव है कि ऐसा न हो, उतना ही संभव है कि ऐसा हो और यह भी संभव है कि जो हो, वह न हो... ।"
यह संवाद किस नाटक और पात्र का है ?
(1) महाभोज - दा साहब (2) चंद्रगुप्त - चाणक्य (3) चंद्रगुप्त - राक्षस (4) आषाढ़ का एक दिन - मातुल

98. उक्त प्रश्न में चार विकल्प दिए गए हैं; इन्हें ध्यान से पढ़ते हुए सबसे उचित विकल्प चुनें -
(i) प्रार्थना, आराधना एवं अवहेलना भाववाचक कृदंत हैं, जबकि आदरणीय, शोचनीय एवं पाणिनीय विशेषणवाचक कृदंत हैं।
(ii) दौहित्र, सौमित्र एवं काश्यप अपत्यवाचक तद्धित हैं, जबकि कुसुमित, पल्लवित एवं फलित गुणवाचक तद्धित हैं।
(iii) सावधानी, किसानी एवं चातुरी भाववाचक संज्ञाएँ हैं, जबकि सँपोला, बिलौटा एवं घड़ोला ऊनतावाचक हैं।
(iv) कारीगर, कारिंदा एवं बख्तावर शब्द विदेशी प्रत्ययों से बने हैं, जबकि जानवर, दौलतमंद एवं सालाना हिंदी के तद्भव प्रत्ययों से बने शब्द हैं।
कूट :
(1) (ii) व (iii) संगत हैं। (2) (i) व (iv) संगत हैं। (3) (i) व (iii) संगत हैं। (4) (ii), (iii) व (iv) संगत हैं।

99. "इस पुस्तक में संस्कृत, फ़ारसी, अंग्रेज़ी की कविता का तर्जुमा अपनी भाषा के चाल-चाल जुदा होने की कठिनाई से पूरा तर्जुमा करने के बदले कहीं, कहीं भावार्थ ले लिया गया है।"
उक्त उद्धरण किस उपन्यास से संबंधित है ?
(1) बाणभट्ट की आत्मकथा (2) शेखर एक जीवनी (भाग-1) (3) परीक्षा गुरु (4) देवरानी जेठानी की कहानी

100. गदर, (सन् 1857 का स्वाधीनता-संग्राम) हिन्दी प्रदेश के नवजागरण की पहली मंज़िल तो भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और उनके सहयोगियों के युग को दूसरी मंज़िल मानने वाले आलोचक हैं -
(1) रामविलास शर्मा (2) नन्ददुलारे बाजपेयी (3) हजारीप्रसाद द्विवेदी (4) रामचन्द्र शुक्ल

101. "उसकी ही उम्र अभी क्या थी। छत्तीसवाँ ही साल तो था; पर सारे बाल पक गये थे, चेहरे पर झुर्रियाँ पड़ गयी थीं। सारी देह ढल गयी थी, वह सुन्दर गेहुआँ रंग सँवला गया था और आँखों से कम सूझने लगा था।"
उक्त पंक्तियाँ निम्न में से किसके संबंध में हैं ?
(1) धनिया (2) होरी (3) गोबर (4) भोला

102. "अनुभावन और अभिव्यक्ति की यह समष्टि ग्रहण करने की चुनौती जैसे केशकंबली के लिए थी, वैसे ही आज के रचनाकार के समक्ष है।"
अज्ञेय विरचित असाध्यवीणा के संबंध में कथन है -
(1) मुक्तिबोध का (2) रामस्वरूप चतुर्वेदी का (3) हजारीप्रसाद द्विवेदी का (4) नामवर सिंह का

103. नालंदा के महान आचार्य शांतरक्षित (आठवीं शती) द्वारा तिब्बत में सम्ये मठ की स्थापना हुई थी, राहुल सांकृत्यायन ने वहाँ की यात्रा की –
(1) दूसरी तिब्बत-यात्रा एक तिब्बती लामा के दल के साथ ।
(2) पहली तिब्बत-यात्रा नेपाली व्यापारी धर्मसाहु के साथ ।
(3) पहली तिब्बत-यात्रा मंगोल भिक्षु धर्मकीर्ति के साथ ।
(4) चौथी तिब्बत-यात्रा सरकार द्वारा आयोजित सदस्यों के साथ ।

104. किस रचना के एक पात्र की ज़बान पर उठते-बैठते सदैव ये पंक्तियाँ रहती थीं ?
"पुरुष सिंह जो उद्यमी, लक्ष्मी ताकरि चेरी ।
भाग्य भरोसे जे रहैं कुपुरुष भाषहिं टेरी ।।"
(1) प्रेमचंद घर में (2) मुर्दहिया (3) क्या भूलूँ क्या याद करूँ (4) आवारा मसीहा

105. निम्नलिखित लेखकों को उनसे संबंधित रचनाओं से सुमेलित कीजिए

सूची-I (लेखक)	सूची-II (रचनाएँ)
(i) फणीश्वरनाथ रेणु	a. ज्यादा अपनी कम पराई
(ii) रामविलास शर्मा	b. स्मृतियों की जन्मपत्री
(iii) रवीन्द्र कालिया	c. पंचरत्न
(iv) उपेन्द्रनाथ अश्क	d. बनतुलसी की गंध

विकल्प :
(1) (i)-b, (ii)-a, (iii)-d, (iv)-c (2) (i)-c, (ii)-d, (iii)-a, (iv)-b (3) (i)-c, (ii)-b, (iii)-a, (iv)-d
(4) (i)-d, (ii)-c, (iii)-b, (iv)-a

106. नाटक 'महाभोज' में 'सुकुल बाबू' कौन हैं ?
(1) प्रेस रिपोर्टर (2) एस.पी. (3) भूतपूर्व मुख्यमंत्री (4) सत्तारूढ़ पार्टी के अध्यक्ष

107. "भीष्म साहनी की कहानी की रचना-प्रक्रिया सरल, सहज और सपाट होने का आभास देती है । वे अश्क की तरह उसमें जटिलता लाने से परहेज करते हैं, लेकिन वैयक्तिकता-सामाजिकता के बारे में वे पूरी तरह सजग हैं । इनकी पूरी कहानी में सामाजिक चेतना के प्रति सजग लगाव है ।"
भीष्म साहनी की कहानी-कला की प्रवृत्तियों के संबंध में उपर्युक्त कथन किस आलोचक का है ?
(1) डॉ. राजेन्द्र यादव (2) डॉ. शिवदान सिंह चौहान (3) डॉ. नामवर सिंह (4) डॉ. इन्द्रनाथ मदान

108. 'दिल्ली दरबार दर्पण' निबन्ध में भारतेन्दु ने नृपप्रतिनिधि कहा है –
(1) लार्ड माउन्टबेटन को (2) लार्ड लिटन को (3) लार्ड रिपन को (4) लार्ड कर्जन को

109. "कमलेश्वर द्वारा रचित 'राजा निरबंसिया' कहानी में राजा आखेट को जाते थे । वह कौन से दिन लौटकर महल आ जाते थे ?"
(1) तीसरे दिन (2) सातवें दिन (3) छठे दिन (4) चौथे दिन

110. असंगत विकल्प चुनिए :
(1) अरस्तू मानते हैं कि त्रासदी का नायक पूर्ण नहीं हो सकता, त्रासद प्रभाव के लिए उसका अपूर्ण होना आवश्यक है ।
(2) अरस्तू ने विषय के आधार पर तीन प्रकार के कथानक माने हैं – दन्तकथामूलक, कल्पनामूलक और इतिहासमूलक ।
(3) प्लेटो को केवल बौद्धिक आनंद स्वीकार था, ऐन्द्रिय आनंद नहीं, उनके अनुसार ट्रेजडी का कवि हमारी विवेक को नष्ट कर हमारी वासनाओं को जाग्रत करता है ।
(4) अरस्तू ने काव्य कला को राजनीति अथवा नीतिशास्त्र की दृष्टि से न देखकर दार्शनिक दृष्टि से देखा ।

111. 'अमीर खुसरो के कृतित्व से एक और महत्त्वपूर्ण तथ्य उजागर होता है कि हिन्दी का चरित्र एकदम आरम्भ से ही असांप्रदायिक रहा है, वह सामासिक संस्कृति की सच्ची रचना है ।' कथन का संबंध है
(1) अगरचन्द नाहटा से (2) रामचन्द्र शुक्ल से (3) मुक्तिबोध से (4) रामस्वरूप चतुर्वेदी से

112. उपन्यासों की कथा-भाषा के संबंध में निम्नलिखित कथन विचारणीय हैं :
(i) 'मैला आँचल' की भाषा ग्रामीण अंचल की ध्वनियों और लोक-बिंबों से सजी है ।
(ii) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' की भाषा आलंकारिक व तत्सम प्रधान है ।
(iii) झूठा सच में भाषिक हास्यप्रधान प्रयोग देखने को मिलते हैं ।
(iv) शेखर एक जीवनी में अस्तित्ववादी दार्शनिक बिंबों की भाषिक छवियाँ हैं ।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :
(1) केवल (ii), (iii), (iv) (2) केवल (i), (ii), (iv) (3) केवल (i), (iii), (iv) (4) केवल (i), (ii), (iii)

113. निम्नलिखित नाटकों के पात्रों को, तत्संबंधी रचनाओं के प्रथम प्रकाशन वर्ष के अनुसार पहले से बाद के क्रम में व्यवस्थित कीजिए
(i) कल्याणी
(ii) बिन्नी
(iii) मल्लिका
(iv) दुर्जनसिंह
(v) नारायणदास
दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए ।
(1) (ii), (i), (iii), (iv), (v) (2) (v), (iv), (iii), (ii), (i) (3) (i), (v), (iii), (iv), (ii) (4) (v), (i), (iii), (ii), (iv)

114. "जितनी सफलता भारतेन्दु-युग के लेखकों को निबन्ध-रचना में मिली उतनी कविता और नाटक में नहीं मिली ।" भारतेन्दु युगीन गद्य लेखकों के संबंध में उक्त कथन है –
(1) डॉ. रामविलास शर्मा का (2) रामचन्द्र शुक्ल (3) महावीरप्रसाद द्विवेदी (4) हजारीप्रसाद द्विवेदी

115. आचार्य भरत के नाट्यशास्त्र में वर्णित रस-वर्णन के संदर्भ में वीभत्स रस के विषय में असंगत कथन है –
(1) अप्रिय वस्तु को देखने तथा रस, गंध, स्पर्श आदि के दोषों से यह उत्पन्न नहीं होता है ।
(2) मुख और नेत्र का संकोच, आँख और नाक बंद करना, मुँह को झुकाना आदि क्रियाओं का इसके अभिनय में प्रयोग करना चाहिए ।
(3) इसके व्यभिचारी भाव अपस्मार, वेग, मोह, व्याधि, मरण हैं । (4) वीभत्स रस का स्थायीभाव जुगुप्सा होता है ।

116. आचार्य बल्लभाचार्य के अनुसार जीव कितने प्रकार के होते हैं ?
(1) पुष्टि जीव, मर्यादा जीव, कृष्णाश्रय जीव (2) संत जीव, असंत जीव, प्रवाह जीव (3) शुद्ध जीव, पुष्टि जीव, मर्यादा जीव
(4) पुष्टि जीव, मर्यादा जीव, प्रवाह जीव

117. 'शेखर एक जीवनी' उपन्यास के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें :
(i) अज्ञेय ने शेखर एक जीवनी में मूलतः समस्या व्यक्ति-स्वातंत्र्य की ही उठाई है ।
(ii) शेखर का चूँकि परिस्थितियों से सरोकार नहीं है, इसलिए वह स्वयं को अपूर्व व नया सिद्ध करने के लिए विद्रोह करता है ।
(iii) वह विभाजक व्यक्तित्व से बना है, वह प्रेम का याचक है, दाता नहीं ।
(iv) 'शेखर एक जीवनी' का पहला भाग महत्वपूर्ण कृति के रूप में स्वीकृत नहीं हुआ, यह संभवतः इसकी कथानक बहुलता के कारण है ।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :
(1) (ii), (iii), (iv) (2) (iii), (iv) (3) (i), (ii), (iii) (4) (i), (iii), (iv)

118. "लट लोल कपोल कलोल करै, कल कंठ बनी जलजावलि द्वै ।"
घनानंद के उक्त कवित्त के अंश में 'जलजावलि' से क्या अभिप्राय है ?
(1) जल से उत्पन्न मोती के समूह अर्थात् दो लड़ी वाली मोतियों की माला के लिए प्रयुक्त हुआ है ।
(2) सौंदर्य की आभा जल के समान निर्मल व पारदर्शी है ।
(3) नायिका की नासिका, नेत्र और वाणी के संदर्भ में उक्त शब्द वर्णित हैं ।
(4) नायिका का सौंदर्य चंद्रमा के सौंदर्य के समान दीप्त है ।

1014937

119. पाश्चात्य साहित्य-चिंतन विकास-क्रम एवं विचारों के आलोक में संगत कथन का चयन कीजिए -
(i) एक सुबद्ध शास्त्र के रूप में साहित्यालोचन के दर्शन सबसे पहले प्लेटो के 'इओन' में होते हैं ।
(ii) प्लेटो की मूल दृष्टि अनुभववादी तथा मूर्त थी ।
(iii) कविता को प्लेटो तभी संभव मानते हैं जब कवि पर दैवी-कृपा हो और वो 'दैवी विक्षेप' से प्रेरित तथा प्रभावित हो ।
(iv) प्लेटो के अनुसार कविता भावों का स्वच्छन्द प्रवाह है और उसकी स्वायत्त वस्तु सत्ता ग्राह्य है ।
विकल्प :
(1) (i), (iii) (2) (i), (ii), (iv) (3) (ii), (iii), (iv) (4) (ii), (iv)

120. "भक्तिन को जब मैंने अपने कल्पवास संबंधी सूचना दी तब उसे विश्वास ही न हो सका ।"
महादेवी की इस पंक्ति में प्रयुक्त 'कल्पवास' का अर्थ क्या है ?
(1) माघ माह में प्रतिदिन कथा-श्रवण (2) माघ माह में निराहार रहकर पूजा-पाठ (3) माघ माह में पाँच बार गंगा-स्नान
(4) माघ माह में गंगा के तट पर ही रहकर गंगा-स्नान

121. "मुझे देखकर, पहचानकर उसकी मुरझाई हुई मुख-मुद्रा तनिक-से मीठे विस्मय से जागी-सी और फिर पूर्ववत् हो गई ।"
उक्त पंक्तियाँ निम्न में किस कहानी और उसके किस चरित्र से संबंधित है ?
(1) तीसरी कसम – हीराबाई (2) मैंमीन – मालती (3) परिंदे – लतिका (4) आकाशदीप – चंपा

122. 'मैला आँचल' में पूर्णिया जिले के मेरीगंज गाँव का नामकरण जिस आधार पर हुआ, वह है -
(1) सत्याग्रह के दौरान महात्मा गाँधी ने नामकरण किया था ।
(2) नील की खेती करने वाले मार्टिन साहब की मेम 'मेरी' के नाम पर ।
(3) जिले की सबसे बड़ी अनाजमंडी थी, जिसे रेणु ने मेरीगंज कहा ।
(4) यह प्राचीन नाम था, जो बहुत पहले से चला आ रहा था ।

123. 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' शीर्षक निबन्ध में भीगता हुआ मुकुट विद्यानिवास मिश्र के अनुसार प्रतीक है -
(1) भारतीय राजसत्ता के निरन्तर पतन का । (2) धर्मनिरपेक्ष राजनीति की विफलता का ।
(3) लोकमंगल में विच्छिन्न होती सांस्कृतिक चेतना का । (4) राम की ऐतिहासिकता पर प्रश्न चिह्न का ।

124. "... अज्ञेय जहाँ संस्कृति की केवल 'संग्राहकता' की हिमायत करते हैं, वहाँ द्विवेदीजी 'त्याग' का ज़िक्र करना नहीं भूलते । 'अशोक के फूल' में वे एक द्रष्टा की तरह 'मानवजाति की निर्मम धारा के हज़ारों वर्ष का रूप साफ़' देखते हुए कहते हैं : मनुष्य की जीवनी-शक्ति बड़ी निर्मम है, वह सभ्यता और संस्कृति के वृथा मोहों को रौंदती चली आ रही है ।"
उक्त रचना व रचनाकार का नाम बताइए ।
(1) डॉ. नामवर सिंह – दूसरी परंपरा की खोज (संस्कृति और सौंदर्य) (2) हजारीप्रसाद द्विवेदी – कुटज
(3) डॉ. कुबेरनाथ राय – गंध मादन (4) विवेकी राय – उठ जाग मुसाफिर

125. निम्नांकित विकल्पों में से असंगत विकल्प चुनिए :
(1) वेद नखत ग्रह ओरि अरध करि
सोइ बनत अब खात – क्लिष्टत्व दोष
(2) दोषाः विपत्तये तत्र गुणाः सम्पत्तये तथा – काव्यादर्श
(3) रीतिरात्मा काव्यस्य / विशिष्ट पदसंघटना
रीतिः । विशेषो गुणात्मा – काव्यालंकारसूत्रवृत्ति
(4) निरख सखी ये खंजन आये ।
फेरे उन मेरे रंजन ने इधर नयन मन भाये ।।
– प्रसाद गुण एवं पांचाली रीति

126. जगपती और बचनसिंह निम्न में से किस कहानी के चरित्र हैं ?
(1) पूस की रात (2) राजा निरबंसिया (3) कोसी का घटवार (4) गदल

127. निम्नांकित काव्यपंक्तियों की दृष्टि से कौन सा विकल्प सुमेलित नहीं है ?
(1) प्रथम रश्मि का आना रंगिणि ! तूने कैसे पहचाना ? – पंत (2) सुरम्य रूपे, रसराशि-रंजिते,
विचित्र वर्णाभरणे ! कहाँ गई ? – महावीर प्रसाद द्विवेदी
(3) मो मन गिरधर छवि पै अटक्यो – मीरा (4) दसरथ सुततिहूँ लोक बखाना, राम नाम का मरम है आना – कबीर

128. तारे डूबे तम टल गया, छा गई व्योम-लाली ।
पक्षी बोले तमचुर जगे, ज्योति फैली दिशा में ।।
शाखा डोली तरु निचय को कंज फूले सरों में ।
धीरे-धीरे कढ़े तामसी रात बीती ।।
उक्त काव्य पंक्तियों में कौन सा छंद प्रयुक्त हुआ है ?
(1) वंशस्थ छंद (2) मालिनी (3) द्रुतविलम्बित छंद (4) मन्दाक्रांता छंद

129. असंगत कथन चुनिए ।
(1) बैठि रही हमहूँ हिय हारि, कहा लगि टारियै हाथन गाजै – आर्थी व्यंजना
(2) धर्मार्थकाममोक्षेषु वैचक्षण्यं कलासु च ।
करोति कीर्तिं प्रीतिं च साधुकाव्य निबंधनम् – काव्यालंकार
(3) आज भुजंगों से बैठे हैं, वे कंचन के घड़े दबाए – शुद्धा लक्षण लक्षणा
(4) मम्मट के समस्त छह काव्य प्रयोजनों में सद्यः परनिवृत्तिः सर्वोत्कृष्ट प्रयोजन है ।

130. निम्न में से असंगत विकल्प है :
(1) नासिरा शर्मा – औरत के लिए औरत (2) प्रभा खेतान – उपनिवेश में स्त्री
(3) हिंदी साहित्य का आधा इतिहास – सुमन राजे (4) खुली खिड़कियाँ – अनामिका

131. आदिकाल का नाम मैंने 'वीरगाथा-काल' रखा है । उक्त काल के भीतर दो प्रकार की रचनाएँ मिलती हैं – अपभ्रंश की और देशभाषा (बोलचाल) की । रामचंद्र शुक्ल की देशभाषा के अंतर्गत सम्मिलित रचनाएँ हैं –
(1) विजयपालरासो, कीर्तिलता (2) खुमानरासो, कीर्तिपताका (3) बीसलदेवरासो, विद्यापति-पदावली
(4) पृथ्वीराजरासो, विजयपालरासो

132. 'भोलाराम का जीव' में 'जीव' की सही व्याख्या है –
(1) मनुष्य के अन्तर्मन का यथार्थपरक चित्रण है । (2) लोकरूढ़ि और विश्वासों में प्रचलित अदृश्य शक्ति का चित्रण मात्र है ।
(3) समाज में एक रूढ़िग्रस्त समूह में प्रचलित भूत-प्रेतों का चित्रण है ।
(4) भय, अवसरवाद और समझौतावादी दृष्टि का व्यंजनापूर्ण चित्रण है ।

133. 'अरे यायावर रहेगा याद ?' में अज्ञेय द्वारा दूसरे संस्करण में जोड़ा गया पाठ है –
(1) बहता पानी निर्मला (2) सागर-सेवित, मेघ-मेखलित (3) एलुरा और माझुली (4) परशुराम सेतू रखम

134. 'आपहुदरी' के विषय में असंगत है –
(1) यह रमणिका गुप्ता की जीवनी है, जिसका प्रकाशन 2015-16 में हुआ ।
(2) यह पूर्व में एक भाग के रूप 'हादसे' शीर्षक से आत्मकथा के रूप में प्रकाशित हुआ ।
(3) जब आस्थाएँ टूटीं, दोहरे मापदंड आदि इसके कालानुक्रमिक उपशीर्षक हैं । (4) 'आपहुदरी' एक पंजाबी शब्द है ।

135. निम्नलिखित कथनों में संगत विकल्प का चयन करें :
(i) कबीर केवल हिंदुओं और मुसलमानों के ऐक्य प्रतिपादन तक ही नहीं सीमित रहे, उन्होंने भूतदया का भी प्रचार किया ।
(ii) जिस ब्रह्मतत्त्व का प्रतिपादन कबीर ने किया वह वेदविदित ब्रह्मतत्त्व नहीं था; वे वेद विरोधी थे । उनका ब्रह्म सोपाधि था ।
(iii) महात्मा कबीर को अपने सत्य पर विश्वास था इसीलिए उन्होंने कहा –
'साखी सबदी दोहरा कहि किहनी उपखान ।
भगत निरूपहि भगति कलि निंदहि बेद-पुरान ।।'
(iv) कबीर पर भी अन्य संतों की भाँति साधनात्मक हठयोग का भी प्रभाव है, पर उन्होंने जिस प्रकार अन्य साधनों का विरोध किया उसी प्रकार हठयोग का भी ।
विकल्प :
(1) (i), (iv) (2) (ii), (iii) (3) (i), (iii), (iv) (4) (i), (ii)

136. "चनाब का पानी आज भी पहले-सा ही सर्द था, लहरें लहरों को चूम रही थीं । वह दूर-सामने कश्मीर की पहाड़ियों से बर्फ पिघल रही थी । उछल-उछल आते पानी के भँवरों से टकराकर कगारे गिर रहे थे, लेकिन दूर-दूर तक बिछी रेत, आज न जाने क्यों खामोश लगती थी !"

उक्त वातावरण विधान किस कहानी में वर्णित है ?

(1) कृष्णा सोबती – सिक्का बदल गया (2) राजेन्द्र बाला घोष – चंद्रदेव से मेरी बातें (3) शेखर जोशी – कोसी का घटवार

(4) निर्मल वर्मा – परिंदे

137. कहानीकार और उनकी कहानियों से संबंधित कौन सा विकल्प सर्वथा संगत है ?

(1) अज्ञेय – गैंग्रीन, दो धारा, शरणदाता, मेजर चौधरी की वापसी

(2) फणीश्वरनाथ रेणु – लाल पान की बेगम, टेबुल, लफड़ा, अंतर

(3) जयशंकर प्रसाद – ममता, स्वर्ग के खंडहर में, सालवती, मधुआ (4) जैनेन्द्र – फाँसी, फूलों का कुर्ता, खेल, पाजेब

138. अधोलिखित काव्य पंक्तियों को उनकी रचना के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I 'काव्य पंक्तियाँ'	सूची-II 'रचना'
(i) मालिन्य से मुँह मोड़ कर मद-मोह के पद तोड़ दो, टूटे हुए वे प्रेम बंधन फिर परस्पर जोड़ दो ॥	क. साकेत
(ii) अपना पानी भी नहीं रखता अपनी बात अपनी ही आँखें उसे ढाल रहीं दिन-रात जना देते हैं सभी अजान स्वजनि, रोता है मेरा गान ॥	ख. भारत-भारती (भविष्यत् खण्ड)
(iii) थी अर्धांगिनी उसी की जो उसे खोजती आयी यह दशा देख करुणा की वर्षा दृग में भर लाई ॥	ग. कामायनी
(iv) कौन कहे ? यह प्रेम हृदय की बहुत बड़ी उलझन है । जो अलभ्य, जो दूर उसी को अधिक चाहता मन है ।	घ. उर्वशी (द्वितीय अंक)

कूट :

(1) (i)-ख, (ii)-क, (iii)-ग, (iv)-घ (2) (i)-ख, (ii)-घ, (iii)-ग, (iv)-क (3) (i)-क, (ii)-घ, (iii)-ख, (iv)-ग

(4) (i)-क, (ii)-ग, (iii)-घ, (iv)-ख

139. 'मजदूरी और प्रेम' निबन्ध में अध्यापक पूर्ण सिंह ने 'हवनशाला' का संबंध स्थापित किया है –

(1) मंदिर से (2) गिरिजाघर से (3) जीवन से (4) खेत से

140. 'कारक' के संदर्भ में संगत कथन चुनिए ।

(1) मुझसे बढ़कर पापी कौन होगा – करण कारक (2) नौकर धीरज से काम करता है – अपादान कारक

(3) मेरा जाना आपके आने पर निर्भर है – अधिकरण कारक (4) लड़का नहाने गया है – कर्मकारक

141. 'खड़ी बोली' के संबंध में संगत कथन हैं –
(i) खड़ी बोली के प्रारम्भिक उदाहरण सिद्धों-नाथों की बानियों; महाराष्ट्र, गुजरात, उड़ीसा के संतों की रचनाओं-पदों में अंकित है।
(ii) 'खड़ी बोली' शब्द फोर्ट विलियम कॉलेज की टकसाल से निकला है।
(iii) 'ग्रियर्सन' ने 'द मॉडर्न वर्नाक्यूलर लिट्रेचर ऑफ हिन्दुस्तान' की भूमिका में लिखा है कि हिन्दी अंगरेजों द्वारा आविष्कृत है।
(iv) सदल मिश्र की भाषा पर अवधी और मगही का प्रभाव है।
विकल्प :
(1) (i), (ii), (iv) (2) (i), (iii), (iv) (3) (ii), (iii), (iv) (4) (i), (ii), (iii)

142. अरस्तू की काव्य विषयक मान्यताओं के संबंध में असंगत विकल्प का चयन कीजिए –
(i) जब अरस्तू ने काव्य-विवेचन किया तब उनके समक्ष प्लेटो का काव्य-विवेचन उपलब्ध था परन्तु उन्होंने प्लेटो के विचारों को निर्धारित नहीं होने दिया।
(ii) अरस्तू अनुकरण की वृत्ति को काव्य के जन्म का कारण मानते हैं व दूसरा कारण सामंजस्य और लय की वृत्ति बताते हैं।
(iii) अरस्तू ने प्लेटो के अनुकरण को केवल काव्य और दृष्टि के संदर्भ में ही ग्रहण किया है, इसलिए उन्होंने इसके अर्थ और ध्वनि को बदल दिया।
(iv) अरस्तू ने 'त्रासदी' को 'कार्य की अनुकृति' की संज्ञा नहीं प्रदान की है।
विकल्प :
(1) (iii), (iv) (2) केवल (iv) (3) (i), (iii) (4) (i), (iv)

143. महादेवी वर्मा के रेखाचित्र एवं संस्मरणों के विषय में संगत कथन हैं –
(i) उनका 'अतीत के चलचित्र' संकलन 1944 ई. में प्रकाशित हुआ। जिसमें 'रामा' सहित ग्यारह संस्मरण कथाएँ हैं।
(ii) 'स्मृति की रेखाएँ' 1943 ई. में प्रकाशित हुआ, जिसमें 'ठकुरी बाबा' का चित्र संकलित है।
(iii) 'पथ के साथी' 1953 ई. में प्रकाशित हुआ।
(iv) 'पथ के साथी' में पंत, निराला, मैथिलीशरण गुप्त, सुभद्राकुमारी चौहान के संस्मरण संगृहीत हैं।
(1) केवल (i), (ii), (iii) (2) केवल (ii), (iii), (iv) (3) केवल (iii), (iv) (4) केवल (ii), (iv)

144. निरालाकृत 'सरोजस्मृति' और 'राम की शक्तिपूजा' कविताओं को जिस संग्रह में संकलित किया गया था, वह है –
(1) अनामिका (2) गीतिका (3) नये पत्ते (4) परिमल

145. निम्नलिखित पत्र-पत्रिकाओं में सुमेलित युग्म है :
(1) भारतबंधु – राधाचरण गोस्वामी (2) बालबोधिनी – बाबू तोताराम (3) सुदर्शन – पंडित माधवप्रसाद मिश्र
(4) भारतेन्दु – भारतेन्दु हरिश्चंद्र

146. प्राचीन भारतीय आर्यभाषा के संदर्भ में विभिन्न ध्वनियों के संबंध में असंगत विकल्प का चयन कीजिए।
(1) ङ, ञ, न, म, ण् पाँचों नासिक्य स्पर्श व्यंजनों का प्रयोग पद में किसी भी स्थान पर स्वतंत्र रूप से दिखाई देता है।
(2) व्यंजन ध्वनियों में चार अर्धस्वर ध्वनियाँ य्, र्, ल्, व् तीन ऊष्म ध्वनियाँ श, ष, स तथा एक महाप्राण ध्वनि 'ह्' शामिल हैं।
(3) प्राचीन भारतीय आर्यभाषा में तेरह स्वर ध्वनियाँ रह गईं, जिनमें पहले की नौ स्वर ध्वनियों को प्रातिशाख्यों में 'समानाक्षर' तथा बाद की चार ध्वनियों को 'संध्यक्षर' कहा गया।
(4) व्यंजन ध्वनियों में मूर्धन्य 'ट' वर्ग का सन्निवेश भारतीय आर्य भाषा की अपनी विशेषता है।

147. निम्नलिखित में से असंगत कथन चुनिए :
(1) 'कवित्त रत्नाकर' की तीसरी, चौथी एवं पाँचवीं तरंगों में रामायण कथा वर्णित है।
(2) बिहारी ने भी भक्ति एवं नीति सम्बन्धी दोहे लिखे हैं, जो श्रृंगार रस रूपी ईख के गन्ने के बीच-बीच में पड़ी हुई गाँठ जैसे जान पड़ते हैं।
(3) केशव ने तत्कालीन प्रवृत्ति के विरुद्ध प्रकृति को उद्दीपन विभाव के अन्तर्गत ही अंकित न करके आलम्बन रूप में भी अंकित किया है।
(4) रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार – "घनानंद ने न तो बिहारी की तरह ताप को बाहरी पैमाने से मापा है, न बाहरी उछल-कूद दिखाई है।"

148. यह नाटक न लिखा जाता :

(i) यदि हिंदी में कोई ऐसा नाटक होता जिसमें जन चेतना को लोकभाषा और लोकरूपों के माध्यम से सामाजिक अन्याय के साथ जोड़ने का एक नया व्याकरण देखने को मिलता।

(ii) यदि हिंदी के तथाकथित श्रेष्ठ नाटक बड़े प्रेक्षागृहों, भारी तामझाम और विद्वत प्रेक्षक समाज के मोहताज न होते।

(iii) आम आदमी की पीड़ा, आम आदमी की जबान में आम आदमी के बीच ले जाना यदि यश प्रार्थी नाटककार हिंदी रंगमंच के लिए अनिवार्य मानते।

उक्त गद्यांश (टिप्पणी) किस नाटक से संबंधित है ?

(1) आगरा बाज़ार (2) सिंदूर की होली (3) बकरी (4) एक और द्रोणाचार्य

149. 'ध्रुव स्वामिनी' नामकरण का व्यवहार प्रसाद जी ने जिस आधार पर किया है, वह है –

(1) राजशेखर कृत मुक्तक। (2) नाट्यदर्पणकार कृत मुक्तक। (3) मुद्राराक्षस का भरत-वाक्य।

(4) विशाखदत्त कृत नाटक।

150. अधोलिखित वक्तव्यों में से असंगत विकल्प चुनिए –

(1) संख्यावाचक शब्द 'एक' का समुदायवाचक रूप नहीं बनाया जा सकता है।

(2) 'जैसा देश वैसा भेष' वाक्य यौगिक सर्वनाम का उदाहरण है।

(3) पुरुषवाचक और निजवाचक सर्वनामों को छोड़ शेष सर्वनामों का प्रयोग विशेषण के समान हो सकता है।

(4) पूर्णांक बोधक विशेषण के साथ 'एक' लगाने से 'लगभग' का अर्थ पाया जाता है।

1014937